K. C. E. Society's
Moolji Jaitha College
An 'Autonomous College' Affiliated to
K.B.C. North Maharashtra University, Jalgaon.
NAAC Reaccredited Grade - A (CGPA : 3.15 - 3rd Cycle)
UGC honoured "College of Excellence" (2014-2019)
DST(FIST) Assisted College

KNOWLEDGE IS POWER
ESTD. 1945

के. सी. ई. सोसायटीचे
मूळजी जेठा महाविद्यालय
क.ब.चौ. उत्तर महाराष्ट्र विद्यापीठ, जळगाव संलग्नित
'स्वायत्त महाविद्यालय'
नॅकद्वारा पुनर्मानांकित श्रेणी – 'ए' (सी.जी.पी.ए. : ३.१५ – तिसरी फेरी)
विद्यापीठ अनुदान आयोगाद्वारा घोषित 'कॉलेज ऑफ एक्सलन्स' (२०१४-२०१९)
डी.एस.टी. (फीस्ट) अंतर्गत अर्थसहाय्य प्राप्त

Date :- 01/08/2024

NOTIFICATION

Sub :- CBCS Syllabi of B. A./B.Com./B.Sc. in Hindi (Sem. I & II)

Ref. :- Decision of the Academic Council at its meeting held on 27/07/2024.

The Syllabi of B. A./B.Com./B.Sc. in Hindi (First and Second Semesters) as per **NATIONAL EDUCATION POLICY – 2020 (2024 Pattern)** and approved by the Academic Council as referred above are hereby notified for implementation with effect from the academic year 2024-25.

Copy of the Syllabi Shall be downloaded from the College Website (www.kcesmjcollege.in)

Sd/-
Chairman,
Board of Studies

To :

1) The Head of the Dept., M. J. College, Jalgaon.
2) The office of the COE, M. J. College, Jalgaon.
3) The office of the Registrar, M. J. College, Jalgaon.

Near Samarth Colony, Jalgaon - 425 002. (Maharashtra, India) | Ph. : +91 257 - 2237363, 2234281 | e-mail : mjcollege@kces.in | Website : mjcollege.kces.in
समर्थ कॉलनी जवळ, जळगांव – ४२५ ००२. (महाराष्ट्र, भारत) । दूरध्वनी क्र. : +९१ २५७-२२३७३६३, २२३४२८१ । ई-मेलः mjcollege@kces.in । वेबसाईटः mjcollege.kces.in

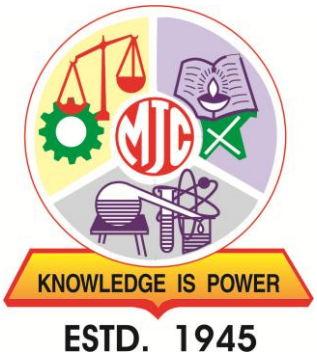

KNOWLEDGE IS POWER

ESTD. 1945

के.सी.ई.सोसायटी संचालित

मूलजी जेठा (स्वशासी) महाविद्यालय, जलगांव

हिंदी विभाग

पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष कला, प्रथम वर्ष वाणिज्य और विज्ञान

(F.Y.B.A., F.Y.B.Com./B.Sc/BBA/BCA)

प्रथम एवं द्वितीय सत्र

(Semester I & II)

NEP 2020 के अनुसार

(शै.सत्र-2024-25 के लिए जून 2024 से लागू)

प्रस्तावना :

विद्यार्थियों को समुचित ज्ञान के साथ-साथ कौशल और अनुभव पर आधारित शिक्षा मिले यह समय की मांग थी। अत: उच्च शिक्षा में कालानुरूप बदलाव अत्यावश्यक था। मूलजी जेठा महाविद्यालय (स्वशासी) ने UGC और महाराष्ट्र शासन के आदेश तथा नियमावली को मद्देनजर रखते हुए NEP-2020 का स्वीकार किया है। जिसके तहत हिंदी विभाग के हिंदी अध्ययन मंडल के सदस्यों ने स्नातक स्तर पर नूतन पाठ्यक्रम का ढांचा तैयार किया है। जिसमें...

हिंदी साहित्य के परिचय के लिए यह पाठ्यक्रम सहायक साबित होगा। काव्य तथा भाषा के इतिहास और सैद्धांतिकी को समझाते हुए उसमें निहित मूल्यों की पहचान करवाना इस पाठ्यक्रम का एक मकसद हैं। उसी प्रकार प्रस्तुत पाठ्यक्रम हिंदी साहित्य के साहित्यिक युगों, काव्य और गद्य शैलियों, लेखकों और उनकी प्रमुख रचनाओं की जानकारी प्रदान करता है। उसी प्रकार साहित्य संप्रेषण और लेखन कौशल का अंतर्भाव इस पाठ्यक्रम को और अधिक आकर्षक और उपयोगी सिद्ध होगा।

Program Specific Outcome PSO (B.A. Hindi) :

After completion of this course, students are expected to learn/understand the:

PSO No.	**PSO**
1	हिंदी साहित्य और भाषा के विभिन्न आयामों से अवगत कराना
2	हिंदी साहित्य में निहित मानवीय तथा जीवन मूल्यों का परिचय देना
3	गद्य तथा पद्य से संबंधित विशेष विधाओं एव साहित्यकारों का समुचित मूल्यांकन करना
4	हिंदी भाषा के अध्ययन के माध्यम से हिंदी के व्यावहारिक पक्ष की पहचान करना
5	हिंदी संप्रेषण और लेखन कौशल के माध्यम से नव प्रेरणा देने की कोशिश करना

Multiple Entry and Multiple Exit options:

The multiple entry and exit options with the award of UG certificate/ UG diploma/ or three-year degree depending upon the number of credits secured;

Levels	**Qualification Title**	**Credit Requirements**		**Semester**	**Year**
		Minimum	**Maximum**		
4.5	UG Certificate	40	44	2	1
5.0	UG Diploma	80	88	4	2
5.5	Three Year Bachelor's Degree	120	132	6	3
6.0	Bachelor's Degree- Honours **Or** Bachelor's Degree- Honours with Research	160	176	8	4

Structure for FYBA, for Academic Year 2024 - 2025
Faculty of Arts, Humanities & Social Sciences
प्रथम सत्र और द्वितीय सत्र (Semester I & II)
NEP 2020 के अनुसार
Structure: FYBA Hindi

Semester	Course Module	Code	TH/ PR	Title	Credit	Hours/ week	Total Credits
	DSC	HIN-DSC-111	TH	हिंदी साहित्य परिचय	4	4	
I	OE	HIN-OE-111	TH	साहित्य एवं संप्रेषण कला	2	2	
	AEC	ENG-AEC-111	TH	English Communication Skills - I	2	2	
	EV/CI	ES-VEC-111	TH	Constitution of India / Environmental studies	2	2	
	IKS	IKS-111	TH	Indian knowledge system	2	2	
	CC	NCC-CC111 NSS-CC-111 SPT-CC-111 CUL-CC-111	CC	NCC NSS Sports Cultural	2	2	14
II	DSC	HIN-DSC-121	TH	हिंदी भाषा परिचय	4	4	
	OE	HIN-OE-121	TH	लेखन कौशल	4	4	
	AEC	ENG-AEC-121	TH	English Communication Skills - II	2	2	
	EV/CI	CI/VEC -121	TH	Constitution of India / Environmental studies	2	2	
	CC	NCC-CC121 NSS-CC-121 SPT-CC-121 CUL-CC-121	CC	NCC NSS Sports Cultural	2	2	14

DSC	:	Department-Specific Core course	**IKS**	:	Indian Knowledge System
DSE	:	Department-Specific elective	**CC**	:	Co-curricular course
GE/OE	:	Generic/ Open elective	**TH**	:	Theory
SEC	:	Skill Enhancement Course	**PR**	:	Practical
MIN	:	Minor course	**ES**	:	Environmental studies
AEC	:	Ability Enhancement Course	**CI**	:	Constitution of India
VEC	:	Value Education Courses	**MIL**	:	Modern Indian Languages

प्रथम सत्र (Semester-I)

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.)

प्रथम सत्र (Semester-I)

HIN DSC-111 हिंदी साहित्य परिचय

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों की हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल से परिचित कराना। • छात्रों को हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचित कराना। • छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण कराना। • छात्रों में हिंदीभाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्र हिंदी साहित्य के प्रति रुचि बढ़ाना तथा छात्रों को साहित्य की विविध विधाओं एवं इतिहास काल सेपरिचित होंगे । • छात्र हिंदी के प्रतिनिधि गद्यकारों एवं कवियों से परिचय होंगे । • छात्रों में नैतिक मूल्य, राष्ट्रीय मूल्य एवं उत्तरदायित्व के प्रति आस्था निर्माण होगी । • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा।	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1.**कहानी का स्वरूप, तत्व एवं हिंदी कहानी की विकासयात्रा** **1.2 अध्ययनार्थ पाठ** 1.2.1 सद् गति - प्रेमचंद 1.2.2 पत्नी - जैनेन्द्र कुमार 1.2.3 दोपहर का भोजन - अमरकांत 1.2.4 दो कलाकार - मन्नू भंडारी 1.2.5 भोलाराम का जीव - हरिशंकर परसाई	15
Unit II	2.1 **कथेतर गद्य का सामान्य परिचय** **2.2 अध्ययनार्थ पाठ** 2.2.1 नाख़ून क्यों बढ़ते हैं (निबंध) - हजारीप्रसाद द्विवेदी 2.2.2 बुद्ध देव (जीवनी अंश) - मैथिलीशरण गुप्त 2.2.3 सुभान खां (रेखाचित्र) - रामवृक्ष बेनीपुरी 2.2.4 आखिरी चट्टान (यात्रा वर्णन) - मोहन राकेश 2.2.5 मुआवजा (व्यंग्य) - सुधीर ओखदे	15
Unit III	3.1**मध्यकालीन कविता का सामान्य परिचय** **3.2 अध्ययनार्थ पाठ** 3.2.1.**कबीर के दोहे** i. गुरु गोविंद दोऊ खडे ii. पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ iii.जिन खोजा तिन पाईया iv. निंदक नियरे राखिए 3.2.2 **रहीम के दोहे** i.रहिमन धागा प्रेम का ii. जो रहीम उत्तम प्रकृति	15

	iii.पावस देखि रहीम मन iv. तरूवर फल नहिं खात है 3.2.3 **सूरदास के पद** i. मैं नहिं माखन खायो ii. निसिदिन बरसत नैन हमारे 3.2.4. **मीराबाई के पद** i.पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे ii.बसौ मोरे नैनन में नंदलाल 3.2.5 **बिहारी के दोहे** i. मेरी भवबाधौ हरो ii. करौ कूबत जग iii.बतरस लालच लाल की iv.कहत,नटत,रिझत,खिजत	
Unit IV	4.1 **आधुनिक कविता का सामान्य परिचय** 4.2 **अध्ययनार्थ पाठ** 4.2.1 वह तोड़ती पत्थर - सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' 4.2.2 जो बीत गई - हरिवंशराय बच्चन 4.2.3 तब तुम क्या करोगे ? - ओमप्रकाश वाल्मीकि 4.2.4 अपने घर की तलाश - निर्मला पुतुल 4.2.5 प्यार की कहानी चाहिए (गीत) -गोपालदास सक्सेना 'नीरज' 4.2.6 हो गई है पीर पर्वत-सी (ग़ज़ल) - दुष्यंतकुमार 4.2.7 कैसे गुजारी उम्र लिख (ग़ज़ल) - चन्द्र त्रिखा 4.2.8 रेल में सांप (हास्य -व्यंग्य) - काका हाथरसी	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि, साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,प्र.सं.1992 • राय, गुलाब, काव्य के रूप. आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली,सं.1969 • बाजपेयी, आ.नंददुलारे, हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद • भ्रमर, डॉ.रवीन्द्र, समकालीन हिंदी कविता, राजेश प्रकाशन, नई दिल्ली,सं.1972 • शर्मा, डॉ.शिवकुमार, हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियां, अशोक, प्रकाशन, नई दिल्ली, सं.1994 • तिवारी, डॉ.रामचंद्र, हिंदी गद्य का विकास, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद, सं. 1998 • सिंह, बच्चन, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं. 2008 • स्वरूप पुष्पा, हिंदी काव्य धारा, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,सं.1965 • राय, डॉ.बरमेश्वर नाथ (संपा.), आधुनिक हिंदी काव्य प्रवाह, शैलजा, प्रकाशन, कानपुर, सं.2014 • मुरुमकर,डॉ.दत्तात्रय, आधुनिक हिंदी साहित्य वाद, प्रवुत्तियां एवं विमर्श, साहित्य संस्थान, गाझियाबाद, नई दिल्ली, प्र.सं.2012 • द्विवेदी रामअवध, साहित्य रूप, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना,सं.1963, • वार्ष्णेय , लक्ष्मी नारायण, आधुनिक कहानी का परिपार्श्व, साहित्य भवन, इलाहाबाद सं.1976 • पुष्पसिंह, समकालीन कहानी का संदर्भ,नेशनल पब्लिकेशन हाऊस, दिल्ली, सं.2006	

प्रथम वर्ष वाणिज्य और विज्ञान (F.Y.B.Com./B.Sc/BBA/BCA)

प्रथम सत्र (Semester-I)

HIN OE-111 साहित्य और संप्रेषण कला

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा :** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करके संप्रेषण कला को विकसित करना । • संप्रेषण के प्रकारों से अवगत करना । • संप्रेषण के व्दारा वाक् चातुर्य की क्षमता विकसित करना । • साहित्य और संप्रेषण के व्दारा छात्रों में चिंतन-मनन की क्षमता विकसित करना ।	
पाठ्यक्रमकाप्रतिफल)Course Outcomes)	• साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न करके संप्रेषण कला को विकसित किया जाएगा । • संप्रेषण के प्रकारों से अवगत होंगे । • संप्रेषण के व्दारा वाक् चातुर्य की क्षमता विकसित होगी । • साहित्य और संप्रेषण के व्दारा छात्रों में चिंतन -मनन की क्षमता विकसित होगी ।	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	**1 साहित्य का सैद्धांतिक विवेचन .** 1.1 साहित्य का स्वरूप परिभाषा 1.2 साहित्य के भेद 1.3 कहानी के प्रकार 1.4 पद्य के प्रकार	07
Unit II	2. प्रातिनिधिक रचनाएँ 2.1 **कहानी विधा का अध्ययन** 2.1.1 ईदगाह - प्रेमचंद 2.1.2 छोटा जादूगर - जयशंकर प्रसाद 2.1.3 एक टोकरी भर मिट्टी - माधवराव सप्रे 2.1.4 रिश्ता -चित्रा मुद् गल 2.1.5 वापसी - उषा प्रियवंदा **2.2 कविताओं का अध्ययन** 2.2.1 कबीर के दोहे - कबीर 2.2.2 फूल की अभिलाषा - माखनलाल चतुर्वेदी 2.2.3 मेरा मन - नरेंद्र शर्मा 2.2.4 ग़ज़ल - दुष्यंत कुमार 2.2.5 भरत खंड के तुम हे जन-गण - बालकृष्ण शर्मा ‘ नवीन ‘	08
Unit III	**3. संप्रेषण के प्रकार** **3.1 मौखिक संप्रेषण** 3.1.1 मौखिक संप्रेषण का स्वरूप 3.1.2 मौखिक संप्रेषण के गुण 3.1.3 मौखिक संप्रेषण के दोष	07

	3.1.4 मौखिक संप्रेषण के लाभ **3.2 लिखित संप्रेषण** 3.2.1 लिखित संप्रेषण का स्वरूप 3.2.2 लिखित संप्रेषण के गुण 3.2.3 लिखित संप्रेषण के लाभ 3.2.4 लिखित संप्रेषण के दोष	
Unit IV	**4.मौखिकऔर लिखित संप्रेषण के विकसित अंग-** 4.1 कथा-कथन 4.2 भाषण 4.3 सूत्रसंचालन 4.4 रेडियो निवेदन	08
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• सहगल शशि,साहित्य विधाएं, किताबघर, नई दिल्ली,, प्र.सं.1992 • चतुर्वेदी,अरुण,संप्रेषण कला,सेंट्रल इंस्टिटयूट ऑफ हिंदी प्रकाशन, आगरा,प्र.सं.2012 • प्रो. हरिमोहन, अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली,प्र.सं. 2012 • गुरू,पंकामताप्रसाद., हिंदी व्याकरण, नागरीप्रचारणी सभा, वाराणसी,प्र.सं.1979 • अनूपचंद्र, व्यावसायिक संप्रेषण, राजपाल प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2013, • कुलकर्णी, डॉ.सुनील, भाषिक संप्रेषण,कुमुद प्रकाशन, जलगांव,प्र.सं.2019 • कुवर, डॉ.गौतम, डॉ.सुनील पानपाटील, हिंदी व्याकरण एवं अभिव्यक्ति कौशल, प्रशांत पब्लिकेशन, जलगांव, प्र.सं.2020	

द्वितीय सत्र (Semester-II)

प्रथम वर्ष कला (F.Y.B.A.)

प्रथम सत्र (Semester-I)

HIN DSC-121 हिंदी भाषा परिचय

श्रेयांक (Credits) : 04 **अंतर्गत परीक्षा :** 40

कुल अंक : 100 **सत्रांत परीक्षा:** 60

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना। • छात्रों को हिंदी भाषा के विविध आयामों सेपरिचित कराना। • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ेगी। • छात्रहिंदी भाषा के विविध आयामों सेपरिचित हो पाएंगे । • छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा । • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मी सकेगा।	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ Lectures**
Unit I	1.1 हिंदी भाषा का उदभव 1.2 हिंदी भाषा की विकास यात्रा 1.3 हिंदी भाषा की बोलियाँ	15
Unit II	2.1 हिंदी भाषा की वर्णमाला 2.2 ध्वनि उच्चारण प्रक्रिया 2.3 स्वर- स्वरूप, परिभाषा और व्यंजन से तुलना 2.4 स्वर के भेद 2.5 व्यंजन - स्वरूप, परिभाषा और स्वर से तुलना 2.6 व्यंजन के भेद	15
Unit III	3.1 हिंदी के विविध रूप 3.2 हिंदी शब्द निर्माण 3.3 हिंदी शब्द समूह	15
Unit IV	4.1 देवनागरी लिपि का उद्भव 4.2 देवनागरी लिपि का नामकरण 4.4 देवनागरी लिपि के गुण / वैज्ञानिकता 4.5 देवनागरी लिपि के दोष/ अवैज्ञानिकता	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली,सं.2003 • शर्मा राजमणि, आधुनिक भाषा विज्ञान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, प्र.सं.1999 • देशमुख, डॉ..अम्बादास, भाषा विज्ञान के अधुनातम आयाम,शैलजाप्रकाशन, कानपुर, प्र.सं.2004 • चौधरी अंनतलाल, देवनागरी लिपि और हिंदी वर्तनी, बिहार हिंदी ग्रन्थ अकादमी, पटना, प्र.सं.1973 • शंकर, डॉ.विवेक, आधुनिक भाषा विज्ञान, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर,प्र.सं.2019	

प्रथम वर्ष वाणिज्य और विज्ञान (F.Y.B.Com./B.Sc/BBA/BCA)

प्रथम सत्र (Semester-I)

HIN OE - 121 लेखन कौशल

श्रेयांक (Credits) : 02 **अंतर्गत परीक्षा :** 20

कुल अंक : 50 **सत्रांत परीक्षा :** 30

पाठ्यक्रम का उद्देश्य (Course Objective)	• छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं को विकसित कराना। • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान देना। • हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता का ज्ञान देना। • प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत कराना। • छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता को बढ़ावा देना।	
पाठ्यक्रम का प्रतिफल (Course Outcomes)	• छात्रों में हिंदी भाषा के श्रवण, पठन एवं लेखन की क्षमताओं का विकास होगा । • छात्रों को हिंदी के मानक लेखन तथा लिपि प्रयोग का ज्ञान मिलेगा। • छात्रों को हिंदी के व्यावहारिक उपयोगिता से परिचय होगा । • छात्र प्रस्तुत अध्यापन के द्वारा रोजगार की संभावनाओ से अवगत हो पाएंगे । • छात्रों की विचार क्षमता तथा कल्पनाशीलता में वृद्धि होगी ।	
इकाई Unit	**पाठ Content**	**तासिकाएँ**
Unit I	**1.साहित्य लेखन** 1.1 कहानी 1.2 निबंध 1.3 यात्रा वृत्त 1.4 डायरी 1.5 काव्य (ग़ज़ल,गीत)	15
Unit II	**2. पत्र लेखन** 2.1 औपचारिक पत्र 2.2 अनौपचारिक पत्र - 2.2.1 सरकारी पत्र 2.2.2 अर्द्ध सरकारी	15
Unit III	**3.अन्य लेखन** 3.1 भाव विस्तार/ वाक्य पल्लवन 3.2 सारांश लेखन	15
Unit IV	**4.विज्ञापन लेखन** 4.1 विज्ञापन : स्वरूप एवं अवधारणा 4.2 विज्ञापन के क्षेत्र 4.3 विज्ञापन लेखन कला	15
संदर्भ/सहायक ग्रंथ सूची	• मिश्र राजेन्द्र, सृजनात्मक लेखन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली, प्र.सं.2015 • अली, आबिद,कुमार,संदीप,लेखन कला :सृजनात्मक एवं जनसंचार लेखन विधियाँ, निर्मल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, प्र.सं.2014, • तिवारी भोलानाथ, हिंदी ध्वनियाँ और उनका उच्चारण, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, सं.2003 • प्रसाद वासुदेव नंदन, आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना, भारती भवन प्रकाशन, पटना, सं.1984 • मिश्र, डॉ. चंद्रप्रकाश-मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार, संजय प्रकाशन, दिल्ली,सं.1998	

हिंदी अध्ययन मंडल

नाम	पद	पता
डॉ.रोशनी पवार	अध्यक्ष	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.विजय लोहार	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.मनोज महाजन	सदस्य	मू.जे.महाविद्यालय (स्वशासी), जलगांव
डॉ.दत्तात्रय मुरुमकर	सदस्य	हिंदी विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई
डॉ.शाकीर शेख	सदस्य	पूना कॉलेज, पुणे
डॉ.संजय रणखांबे	सदस्य	अण्णासाहेब डॉ.जी.डी.बेंडाळे महिला महाविद्यालय, जलगांव
श्री.युवराज माळी	सदस्य	अथर्व पब्लिकेशन, जलगांव
मुक्ति जैन	सदस्य	जलगांव